



Vidya Bhawan balika Vidyapeeth shakti utthan aashram Lakhisarai

Date:-23/10/20.

Class-8 F

Class teacher – Anant kumar

Co-curricular Activities

《 दुर्गा पूजा 》

दुर्गा पूजा हिन्दुओं का महत्वपूर्ण त्यौहार माना जाता है। दुर्गा पूजा बंगाल में बहुत ही ज्यादा प्रसिद्ध है क्योंकि यह बंगालियों का प्रमुख त्यौहार होता है। दुर्गा पूजा की शुरुआत तब हुई जब भगवन राम ने रावण को मारने के लिए देवी दुर्गा से शक्ति प्राप्त करने के लिए पूजा की थी। दुर्गा पूजा का अवसर बहुत ही खुशियों से भरा होता है। खासकर विद्यार्थियों के लिए क्योंकि इस मौके पर उन्हें छुट्टियां मिलती है। इस अवसर पर घर में नए कपड़ों की खरीददारी की जाती है। कुछ बड़े स्थानों पर मेलों का भी आयोजन किया जाता है। बच्चों का दुर्गा पूजा के अवसर पर उत्साह दोगुना हो जाता है।

देवी दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए लोग पूरे नौ दिनों का उपवास रखकर पूजा करते हैं। हालाँकि कुछ लोग केवल पहले और आखरी दिन ही उपवास रखते हैं। पूरे दस दिनों तक चलता है। लेकिन माँ दुर्गा की मूर्ति को सातवें दिन से पूजा जाता है। अंतिम के तीन दिन पूजा का उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। हर गली मोहल्ले में इसकी अलग ही झलक दिखती है। जगह-जगह तरह-तरह के महलनुमा विशाल पंडाल बनाये जाते हैं। दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान मेला और मीना बाजार भी लगता है।



माँ दुर्गा को शक्ति की देवी कहा जाता है। उनके दस हाथ होते हैं और वह शेर पर विराजमान होती है। यह माना जाता है की महिषासुर नामक असुर राजा ने स्वर्ग में देवताओं पर आक्रमण कर दिया था। वह बहुत ही शक्तिशाली था और उसे कोई भी हरा नहीं सकता था। उस समय स्वर्ग के देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से बचाने के लिए ब्रह्मा, विष्णु, और शिव के द्वारा एक आंतरिक शक्ति का निर्माण किया गया जिसका नाम दुर्गा रखा गया।

देवी दुर्गा को आंतरिक शक्तियां प्रदान की गयी थी जिससे की वे महिषासुर का वध कर सके। माँ दुर्गा ने पूरे दस दिनों तक महिषासुर से युद्ध किया और दसवें दिन उसे मार डाला। दसवें दिन को दशहरा या विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। रामायण के अनुसार भगवान राम से रावण को मारने से पहले माँ दुर्गा से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए चंडी पूजा की थी। दुर्गा पूजा के दसवें दिन भगवान राम ने रावण को मारा इसलिए इस दिन को हम विजयादशमी के नाम से भी जानते हैं। दुर्गा पूजा उत्सव को अच्छाई की बुराई पर जीत के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है।

देखो दशहरे का त्योहार आया है,
लोगो के चेहरे पर मुस्कान लाया है।
आओ सब मिलकर मिटाए अँधियारा,
चारो ओर फैलाए अच्छाई का उजियारा।
साथ मिलकर खुशियों का यह त्योहार मनाए,
सब मिलकर खुशियों के दीप जलाए।
देखो चारो ओर फैला हुआ यह अनोखा उमंग,
कैसे फिजा में बिखरे हुए है यह मनमोहक रंग।
दशहरा है बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक,
इस दिन लोग गाते है खुशियों के नये गीत।
आज के दिन हुआ था श्री राम-रावण युद्ध का अंत,
जीत हुई सच्चाई की लोगो को मिली खुशिया अनंत।
सबको रावण जलता देख मिलती खुशियां आपार,
इसीलिए तो दशहरा का दिन लाता है नया बहार।

हमें भी करना है इस वर्ष कुछ नया कार्य,
शपथ लो अच्छी बातों का छोड़ो सब दुर्विचार।
तो आओ हम सब मिलकर झूमें गाये,
साथ मिलकर दशहरा का यह त्योहार मनाये।